1 अरब से ज्यादा का है औषधीय पौधों का बाजार

- तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान निदेशक ने कहा

जबलपुर। विश्व में औषधीय पौधों का लगभग 1 अरब से अधिक का बाजार है। यह जानकारी तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यू. प्रकाशम ने दी। औषधीय पौधों की खेती के बारे में लोगों को प्रशिक्षत करने के लिए उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। सोमवार से शुरू हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों से आए किसानों, अध्यापकों, बैंक अधिकारियों सहित छात्रों और गैर सरकारी संगठनों को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव ने किया। निदेशक डॉ. प्रकाशम ने कहा कि प्रकृति ने लघु वनोपज, औषधीय एवं सुगंधित पौधे अमूल्य उपहार के रूप में प्रदान किए हैं। पहले यह वनस्पति घरों के आसपास आसानी से मिल जाती थी। मगर अब कुछ प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर हैं।

मुख्य अतिथि श्री यादव ने प्राचीन काल से उपयोग में आ रहीं औषधियों के बारे में विचार रखे। 8 जुलाई से शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जुलाई तक जारी रहेगा। उपस्थितों के प्रति आभार डॉ. नितिन कुलकर्णी ने व्यक्त किया।

The Hitavada ▪ TUESDAY ▪ JULY 9 ▪ 2013 ▪ JABALPUR

Efforts sought to rekindle bloom of herbs in forest as demands increase

■ Staff Reporter

THREE-days training programme on 'Cultivation of Medicinal Plants', was inaugurated in a gracious manner, at Tropical Forest Research Institute (TFRI), on Monday. The training programme is organised under the scheme of Training Programme for other Stakeholders of Ministry of Environment and Forest, Government Of India.

Chief guest on the occasion was President of Jila Panchayat, Bharat Singh Yadav. At the outset, the programme was inaugurated by lighting the traditional lamp and garlanded the photograph of goddess Saraswati.

Chief guest, Bharat Singh Yadav said that in today's scenario unemployment is the biggest problems. Using of chemical fertilizers have brought various problems. He also threw lights on medicinal herb like Aswagadha, Spragandha and etc.. Bharat Yadav informed that earlier various diseases were curable only through using medicinal herb. He also said that the additional use of allopathy gives adverse effect on human bodies. While, these medicinal herb are very beneficial and having no side effects.

Guests Yadav and Dr. Prakasham along with beneficiaries present in the program.

Director, Prakasham threw lights on importance of cultivation of medical plants. He said that the importance of medicinal plants had increased since years. Dr. Prakasham said that this nature has given varieties of medicinal plants and aroma plants to human. We are using these medicinal plants for livelihood or for curing from many diseases since ancient period. Now, a days, the demand of these medicinal plants have increased. Due to this, the exploitation of these medicinal plants are being carried out from the forest areas. In view of natural availability of medicinal plants has decreases. In present scenario, a large number of verities of medicinal plants have been disappeared from the forest. Now, its very difficult to fulfill the demands of medicinal plants on the basis of exploitation of plants from the forest area. Now, its a serious need that to conserve the medicinal plants in the forest, or cultivation of medicinal plants should be started on priority basis. Dr. Prakasham said that but due to lack of information about cultivation of medicinal plants, these plants can not be grown properly. With this aim to inform right information for cultivation of medicinal plants to farmers, the government has initiated efforts and conducting the training programme on the topic.

Dr. Prakasham also threw lights on the market of Medicinal plants. He said that before cultivation of medicinal plants, the beneficiaries should seek information about market status. He informed that the market of medicinal plant is very vast. So that, beneficiaries can avail huge profits through cultivation of medicinal plants by taking proper training. On this occasion, Scientists, Officers from TFRI, farmers from Madhya Pradesh, Chattisgarh are participating. The programme was convened by Dr. Nitin Kulkarni, Forest Extension Department.

B
जबलपुर, मंगलवार 09 जुलाई 2013 देशबन्धु

जड़ी-बूटियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

औषधीय पौधों की खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। आज संस्थान द्वारा ''औषधीय पौधों की खेती'' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित ''अन्य श्रेणी के हितग्राहियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम'' योजना के तहत है। इसका प्रमुख उद्देश्य मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न अंचलों से आये किसानों, अध्यापकों, बैंक अधिकारियों, छात्रों, गैर सरकारी संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों को औषधीय पौधों की खेती के बारे में प्रशिक्षण एवं जानकारी देना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारत सिंह यादव, अध्यक्ष जिला पंचायत जबलपुर का स्वागत संस्थान के निदेशक डॉ. यू प्रकाशम द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

संस्थान के निदेशक डॉ. यू प्रकाशम ने अपने उद्बोधन में कहा कि लगभग पिछले ढाई दशक से औषधीय पौधों की खेती के महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने मानव जाति को लघुवनोपज औषधीय एवं सुगंधित पौधे अमूल्य उपहार के रूवप में प्रदान किये हैं। हम इन पौधों का उपयोग आदिकाल से अपने जीवन-यापन एवं विभिन्न रोगों के निदान हेतु करते रहे हैं। पहले यह वनस्पतियां हमें घरों के आसपास वनों से आसानी से प्राप्त हो जाती थी किन्तु आज इनकी बढ़ती हुई मांग के कारण इनका वनों से बड़ी मात्रा में विदोहन हो रहा है जिससे औषधीय पौधों की उपलब्धता प्राकृतिक परिवेश में घटती जा रही है। जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव ने प्रशिक्षाणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज के समय में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। रासायनिक उर्वरकों के उपयोग ने जीवन को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने प्राचीन समय से प्रयाग में आ रही जड़ी-बूटियों जैसे कि सर्पगन्धा, अश्वगंधा आदि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्राचीन समय से ही जड़ी-बूटियों का उपयोग बड़े-बड़े रोगों के उपचार में होता रहा है। एलोपैथिक दवाओं का अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर को काफी क्षति पहुँचती है जबकि देशी जड़ी-बूटियों के प्रयोग से मानव शरीर ज्यादा स्वस्थ रहता हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन दिनों अर्थात 8 जुलाई, 2013 से 10 जुलाई 2013 तक चलेगा एवं विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती एवं विपणन पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण दिया जायेगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में संस्थान के सभी वैज्ञानिक एवं आफीसर उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह का समापन डॉ. नितिन कुलकर्णी, प्रभागाध्यक्ष, वन विस्तार प्रभाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर दिया गया।

पत्रिका TUESDAY, 09.07.13

उपहार हैं औषधीय पौधे

जबलपुर. औषधीय पौधों की खेती पर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में सोमवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से आए फार्मर, टीचर्स, बैंक ऑफिसर्स, स्टूडेंट्स, एनजीओ, जनप्रतिनिधियों को औषधीय पौधों की खेती के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव थे। इस अवसर पर टीएफआरआई के डायरेक्टर डॉ यू प्रकाशम ने कहा कि पिछले ढाई दशक में औषधीय पौधों की खेती का महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने सुगंधित पौधे हमें अमूल्य उपहार के रूप में प्रदान किए हैं। डॉ नितिन कुलकर्णी ने आभार प्रदर्शन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ

जबलपुर। उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) मंडला रोड मं औषधीय पौधों की खेती पर वन एवं परीक्षण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित अन्य श्रेणी के हितग्राहियों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन कर जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव ने किया। इस मौके पर टीएफआरआई के अधिकारीगण।

दैनिक भास्कर
जबलपुर.
मंगलवार, 9 जुलाई, 2013
7

विलुप्त होती वनस्पतियों का संरक्षण जरूरी

नगर संवाददाता, जबलपुर| वनस्पतियों का उपयोग मानव जाति द्वारा हमेशा से किया जाता रहा है और पहले ये हमें सहजता से प्राप्त हो जाती थीं, लेकिन इनकी बढ़ती हुई मांग के कारण इनका वनों से बड़ी मात्रा में विदोहन हो रहा है। इससे औषधीय पौधों की उपलब्धता प्राकृतिक परिवेश में घटती जा रही है। इस तरह के विचार उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा व्यक्त किए गए। औषधीय पौधों की खेती विषय पर आयोजित प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष भारत सिंह यादव एवं संस्थान के निदेशक डॉ. यू. प्रकाशम की मौजूदगी में दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। (पी-1)